স্থান্যেকা f. (ut videtur, ex perdito primitivo স্থান্য - quod ipsum descendit ab স্থান্থ s. ন্য cui respondet lat. s. tiu-s τ̃̃ propitiu-s (*) et gr. σσο, per assimilationem ex σjο, τ̃̃ περισσός - s. ক্ল in fem.) regio in montis vertice (cf. ত্র্যুম্কা). Hit. 101.18.

現紀ロ m. (r. 口 s. 我) dominus, imperator, moderator. In fine comp. N.5. 29. 24. 42.

স্থাবিন m. (KARM. ex স্থাধি et বানি dominus) dominus supremus, imperator, rex. N. 12.33.

म्रधिराज m. (канм. ex म्रधि et राज rex) id. Un. 68.13.

স্থিতান 1) (a r. ত্রন্ habitare s. স্ল) sedes, domicilium. Dev. 4.10. 2) (a r. ত্রান্ odoribus imbuere, «to perfume, to incense») odor suavis, unguentum suave. In. 2.17.

अधिवासित (a praec. s. इत nisi a r. वासू s. त) odoribus suavibus imbutus. UR. 74.20.

স্থান n. (r. स्था praef. স্থান্ত - gr. 109. - s. স্থান্) 1) dominatio, moderatio, regimen. Bh. 18. 14. 2) urbs, imperium, regnum. N. 26. 28. Bh. 3. 40.

म्रधीत v. इ praef. म्रधिः

স্থান (৪৯৪. ex স্কৃথি et হন dominus) qui in potestate alicujus est, subjectus alicui; v. ঘ্যোধান et হ্লাধান.

म्रधना nunc.

मधोमुख (ван. ex मधस् et मुख n.) deorsum os habens, demisso ore. N. 9.15.

яध्यत्त т. (ex म्रिध et मृत्त oculus) inspector, antistes, praefectus. N. 15.6. Вн. 9. 10.

म्रध्ययन n. (r. इ praef. म्रधि s. म्रन) lectio, perfunctio, effectio. Bu. 11.48.

ਸ਼ध्यवसाय m. (r. सो praef. ਸ਼ੁधि + ਸ਼ੁਕ s. य) opera, contentio, studium, nisus. HIT. 36.3.

ऋध्यापक m. (qui facit ut aliquis legat, a r. इ, praef. ऋधि unde in forma caus. anom. ऋध्यापय - gr. 521. - s. ऋका) praeceptor, magister. Am.

ऋध्याय m. (r. इ cum Vriddhi s. ऋ) lectio, sectio, caput Vedorum et aliorum librorum, qui philosophicas res tractant. म्रध्यषित v. वस praef. म्रधिः

मध्या m. (ex मध्यन via et ज iens) viator. Hit. 85.8.

됐던 M. (ut videtur a r. 됐지 ire anomale mutato 지 in 일 s. 리주) via. N. 19.12.

স্থাননান m. (a praec. s. ঠ্ন) viator. Fem. স্থাননান Am.

স্থলন্য m. (ab স্থলন s. य) viator. Am.

म्रध्वर m. sacrificium. Br. 2.17.

1. 我真 2. P. 4. A. (我科和 - gr. 354. - 我和) spirare, unde e.c. 我和何 ventus, 知识 spiritus etc. (goth. uz-ana exspiro, germ. vet. unst procella - Th. unsti - un-s-ti inserto euphonico s, v. gr. comp. 95.); gr. ἄνεμος, lat. animus).

2. 現內 Praef. v. 現.

stirps demonstrativa defect. v. gr. 270. (lith. ana-s vel an'-s ille fem. ana, slav. on, ona, ono v. gr. comp. 372; gr. αν, ανά, ἐν, ἔν-Θα, ἔν-Θεν, εἰ-ς; lat. an, in; goth. ana (nostrum an) in, fortasse etiam ana-ks subito, slav. na in, supra. V. gr. comp. 372. 373.).

স্থান (влн. ex স্থান et সূঘ m.) liber a peccatis. H. 2.25.

স্নত্ন (BAH. ex স্ন priv. et সূত্র q.v.) 1) corpore destitutus nomen dei amoris. 2) auxilio, potestate destitutus. Hit. 72.9.

म्रन्डह m. (v. gr. 215.) taurus, bos.

স্থান (BAH. ex স্থান priv. et স্থান) 1) Adj. finem non habens, immensus, infinitus. 2) m. nomen regis serpentum, qui in tartaro habitant. BH. 10.29.

মননা (вын. ex সন et সনা । intervallum) intervallum non habens, proxime sequens, proximus. Sa. 4. 16.

म्राज्याम् (APY. ex elementis praec. v. gr. 675.) proxime post, statim. A. 1.4.

স্থান্য (клим. ex সূন্ priv. et স্থান্য aliam cogitationem habens, вли. ex সূন্য alius et মান্য n. mens) non aliam cogitationem habens. In. 5.4.

স্ত্রন্থ কান্তিন্ (KARM. ex সূত্রন্ et স্তুपकारिन् a r. क s. इন্) non offendens. Br. 1.27.

^(*) V. Gramm. comp. p. 400.